निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष

संदर्भ: निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA) और नेशनल कॉउन्सिल फॉर एप्लाइड इकनोमिक रिसर्च (NCAER) "भारत में निवेशक सुरक्षा बढ़ाना: चुनौतियों का समाधान और भविष्य के कदम" विषय पर एक वेबिनार के लिए साझेदारी कर रहे हैं।

निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष

- **IEPF की स्थापना**: इसकी स्थापना कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205C के तहत कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 1999 के माध्यम से की गई थी।
- **दावा रहित निधि**: 7 वर्षों के बाद इस राशि को IEPF में स्थानांतरित कर दिया जाता है।
- **निधि प्रबंधन**: जमा धनराशि का प्रबंधन भारत की समेकित निधि के भीतर किया जाता है (अनुच्छेद 266)।
- **निवेशक जागरूकता:** जागरूकता बढ़ाने और निवेशकों की सुरक्षा के लिए इस फंड का उपयोग किया जाता है।
- **अस्वीकृत राशि**: IEPF न्यायालय के आदेशों के आधार पर प्रभावित हितधारकों को अस्वीकृत राशि वितरित करता है।
- **भुगतान आदेश:** कपटपूर्ण लाभ से प्रभावित निवेशकों को ब्याज सहित पुनर्भुगतान करना पड़ता है।
- **IEPF प्राधिकरण**: फंड प्रशासन के लिए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत वर्ष 2016 में निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण की स्थापना की गई थी।
- **भुगतान की नियत तिथि से सात वर्षों की अवधि तक अवैतनिक और दावा न की गई राशियों की निम्नलिखित श्रेणियां फंड में जमा की जाती हैं:**
  - कॉर्पोरेट खातों में अवैतनिक लाभांश राशि
  - प्रतिभूतियों के आवंटन के लिए कंपनियों द्वारा एकत्र की गई आवेदन निधि,
  - कंपनियों द्वारा धारित परिपक्व जमाराशियाँ
  - कंपनियों द्वारा धारित परिपक्व डिबेंचर
  - फंड के उद्देश्यों के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, कंपनियों और संस्थानों से योगदान
  - फंड का उपयोग करके किए गए निवेश से उत्पन्न ब्याज या अन्य आय

सेबी का निवेशक संरक्षण और शिक्षा कोष

- **सेबी का निवेशक कोष:** निवेशक सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।
- **गठन**: निवेशक सुरक्षा और शिक्षा कोष (आईपीईएफ) सेबी द्वारा बनाया गया।
- **मुख्य उद्देश्य**: निवेशकों के हितों की रक्षा करना और जागरूकता बढ़ाना।
- **फंडिंग स्रोत**: आईपीईएफ दावा न किए गए लाभांश, निवेश रिटर्न और जुर्माना आदि।
- **शैक्षिक फोकस:** फंड कार्यशालाओं और ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से निवेशक शिक्षा का समर्थन करता है।
- **संरक्षण भूमिका:** आईपीईएफ गलत काम करने वालों से प्राप्त धन का पुनर्वितरण करके प्रभावित निवेशकों की सहायता करता है।
- **सेबी निरीक्षण:** सेबी फंड का पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित करता है।
- **सशक्तिकरण:** आईपीईएफ एक जानकार और लचीला निवेशक समुदाय तैयार करता है।

यूडीजीएएम पोर्टल

संदर्भ: आरबीआई ने यूडीजीएएम (दावा रहित जमा - सूचना तक पहुंच का प्रवेश द्वार) नामक एक केंद्रीकृत वेब पोर्टल लॉन्च किया है। यह जनता को एक ही स्थान से कई बैंकों में अपनी (दावा रहित जमा राशि की खोज करने में सक्षम बनाता है।

- **आरबीआई का यूडीजीएएम पोर्टल:** यह आरबीआई का ((दावा रहित जमा - सूचना तक पहुंच का प्रवेश द्वार) केंद्रीकृत वेब पोर्टल है।
- **सार्वजनिक सुविधा:** UDGAM को सार्वजनिक उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे एक ही मंच से कई बैंकों में दावा रहित जमा का पता लगाना आसान हो जाता है।
- **जमा प्रबंधन:** पोर्टल उपयोगकर्ताओं को उनकी दावा रहित जमा/खातों की पहचान करने में सहायता करता है, जिससे उन्हें जमा राशि का दावा करने या अपने संबंधित बैंकों में अपने खातों को सक्रिय करने की अनुमति मिलती है।
- **सहयोगात्मक विकास:** यह पोर्टल आरबीआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड का एक संयुक्त प्रयास है। लिमिटेड (ReBIT), भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी और संबद्ध सेवाएँ (IFTAS), एवं भाग लेने वाले बैंक।
- **प्रारंभिक बैंक**: प्रारंभ में, 7 बैंकों से दावा रहित जमा की जानकारी उपलब्ध होगी- भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, धनलक्ष्मी बैंक, साउथ इंडियन बैंक, डीबीएस बैंक इंडिया और सिटी बैंक।
- **विस्तार योजनाएं:** दावा रहित जमा विवरणों तक पहुंच के लिए बैंकों की संख्या में 15 अक्टूबर, 2023 तक चरणबद्ध वृद्धि की जाएगी।
- **दावा रहित जमा की परिभाषा**: 10 वर्षों तक दावा रहित जमा को दावा रहित जमा कहा जाता है।
- **जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (डीईए) फंड:** दावा रहित जमा को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रबंधित इस फंड में स्थानांतरित किया जाता है।
- **दावा रहित जमा रुझान:** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में दावा रहित जमा दिसंबर 2020 से फरवरी 2023 तक 70% से अधिक बढ़ गई है, जो दिसंबर 2019 की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

गांधीनगर घोषणा

संदर्भ: WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र ने 2030 तक तपेदिक को समाप्त करने के प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया है, जिसमें सदस्य देशों ने गांधीनगर घोषणा को अपनाया है।

डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की तपेदिक को समाप्त करने की प्रतिबद्धता

- **बीमारी का बोझ**: डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र, जो वैश्विक टीबी के लगभग आधे मामलों और मौतों के लिए जिम्मेदार है, ने 2030 तक तपेदिक को खत्म करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया है।
- **गांधीनगर घोषणा:** क्षेत्र के सदस्य देशों ने गांधीनगर घोषणा को अपनाया, जो टीबी उन्मूलन में तेजी लाने के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

घोषणापत्र के मुख्य बिंदु

- **उच्च स्तरीय बहुक्षेत्रीय आयोग**: घोषणापत्र प्रत्येक देश में उच्च स्तरीय बहुक्षेत्रीय आयोग के निर्माण का आह्वान करता है। ये आयोग उच्चतम राजनीतिक प्राधिकारियों को रिपोर्ट करेंगे, विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे और टीबी एवं अन्य प्राथमिकता वाली बीमारियों को समाप्त करने की दिशा में प्रगति की निगरानी करेंगे।
- **उत्तरदायी स्वास्थ्य प्रणालियाँ:** आयोग की परिकल्पना स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और स्वास्थ्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने की है।
- **टीबी सेवाओं तक समान पहुंच**: घोषणापत्र न्यायसंगत, मानवाधिकार-आधारित टीबी सेवाओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने और उपयोग पर जोर देता है। ये सेवाएँ सामाजिक, सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय बाधाओं को पार करते हुए सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। इसमें प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण का समर्थन किया जाता है।
- **संसाधन आवंटन:** लक्षित टीबी सेवा कवरेज प्राप्त करने के लिए, घोषणा में आवश्यक संसाधनों के आवंटन का आग्रह किया गया है। साथ ही कई बीमारियों पर व्यापक प्रभाव के लिए स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों को संबोधित करने पर जोर दिया गया है।
- **निरंतर प्राथमिकता:** घोषणापत्र में डब्ल्यूएचओ से टीबी को एक प्रमुख प्राथमिकता कार्यक्रम के रूप में बनाए रखने, नेतृत्व, तकनीकी सहायता और अनुसंधान-समर्थित नवाचार प्रदान करने का आग्रह किया गया है।
- **साझेदारों से समर्थन:** सभी साझेदारों से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 3.3 के अनुरूप टीबी और प्राथमिकता वाली बीमारियों को समाप्त करने के लिए अपना समर्थन तेज करने का आह्वान किया गया है।

मिलना और अपनाना

- गांधीनगर घोषणा को गुजरात के गांधीनगर में आयोजित दो दिवसीय बैठक में अपनाया गया, जिसमें डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में टीबी को समाप्त करने की दिशा में प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- घोषणापत्र टीबी मुक्त क्षेत्र को प्राप्त करने और वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों में योगदान करने के लिए सहयोगात्मक, ठोस प्रयासों के लिए मंच तैयार करता है।

यक्ष्मा/TB

- **संक्रामक रोग**: क्षय रोग (टीबी) एक संक्रामक रोग है जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होता है।
- **वायुजनित संचरण:** जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है तो टीबी हवा के माध्यम से फैलती है।
- **वैश्विक प्रभाव**: 2020 में लगभग 10 मिलियन लोग टीबी से बीमार हुए, जिसके परिणामस्वरूप 1.4 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई।
- **दवा प्रतिरोध**: दवा प्रतिरोधी टीबी एक बढ़ती हुई चिंता का विषय है। मल्टीड्रग-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) और व्यापक रूप से दवा-प्रतिरोधी टीबी (एक्सडीआर-टीबी) तब होती है जब बैक्टीरिया मानक टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं।
- **कमजोर समूह**: कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोग, जैसे एचआईवी वाले लोग, अधिक जोखिम में हैं।
- **गुप्त टीबी:** कुछ व्यक्तियों में गुप्त टीबी होती है, सक्रिय नहीं लेकिन सक्रिय टीबी में विकसित हो सकती है।
- **इलाज योग्य**: टीबी को उचित उपचार, आमतौर पर छह महीने तक एंटीबायोटिक दवाओं से ठीक किया जा सकता है।
- **टीका:** बीसीजी टीका आंशिक सुरक्षा प्रदान करता है, खासकर बच्चों में।
- **सामाजिक और आर्थिक प्रभाव:** टीबी गरीबी में योगदान कर सकती है और आर्थिक विकास में बाधा बन सकती है।

News in Between the Lines

भारत का पहला 3डी मुद्रित डाकघर

भारत का पहला 3डी-मुद्रित डाकघर बेंगलुरु के कैम्ब्रिज ले-आउट में स्थित है।
केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनरल पोस्ट ऑफिस भवन से इसका वर्चुअल उद्घाटन किया।

निर्माण एवं प्रौद्योगिकी:

- इसका निर्माण 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करके आईआईटी मद्रास की सहायता से एलएंडटी द्वारा किया गया।
- इसे निर्धारित समय से पहले, 43 दिनों में पूरा किया गया।
- रोबोटिक प्रिंटर ने डिजाइन के आधार पर कंक्रीट की परतें जमा कीं, जिससे कंक्रीट जल्दी सख्त और मजबूत हो गई।

लागत और दक्षता:

- 23 लाख रुपये में निर्मित, पारंपरिक तरीकों की तुलना में 30-40% सस्ता।
- आईआईटी मद्रास और एलएंडटी ने प्रोफेसर रवींद्र गेड्डू के मार्गदर्शन में निर्मित।

3 डी प्रिंटिंग: 3डी प्रिंटिंग, जिसे एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के रूप में भी जाना जाता है, डिजिटल मॉडल से त्रि-आयामी ऑब्जेक्ट बनाने की एक नवाचारी प्रक्रिया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद

स्थापना: योजना आयोग की अनुशंसा के बाद भारत सरकार द्वारा 1969 में स्थापित।
उद्देश्य: पूरे भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना और सुविधा प्रदान करना।
मुख्यालय: नई दिल्ली।
प्रकृति: मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) के तत्वावधान में संचालित एक स्वायत्त संगठन।
कार्य:

- सामाजिक विज्ञान में परियोजनाओं, फ़ेलोशिप, सर्वेक्षण और प्रकाशनों का समर्थन करना।
- समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान आदि जैसे विभिन्न विषयों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय और वैश्विक विद्वानों के बीच साझेदारी की सुविधा प्रदान करना।

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान दस्तावेज़ीकरण केंद्र (NASSDOC):

- ICSSR के तहत 1970 में स्थापित।
- यह केंद्रीय दस्तावेज़ीकरण केंद्र, सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं को संसाधन और सेवाएँ प्रदान करता है।
- इसके अतिरिक्त वित्त पोषण, सहयोग, ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण में आईसीएसएसआर की महत्वपूर्ण भूमिका सामाजिक विज्ञान की प्रगति को आगे बढ़ाती है और नीति निर्धारण को सूचित करती है।

एजियन सागर (Aegean Sea)

अवस्थिति: ग्रीस और तुर्की के बीच भूमध्य सागर का उत्तरपूर्वी भाग।
ऐतिहासिक महत्व: प्राचीन यूनानी सभ्यता का केंद्र, एथेंस और स्पार्टा जैसे शहर-राज्यों का जन्मस्थान।
द्वीप: कई यूनानी द्वीपों वाला बिखरा हुआ द्वीपसमूह, जो सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है।
समसामयिक मामले और चुनौतियाँ:

- एजियन सागर में निरंतर प्रवासन चुनौतियाँ देखी गई हैं, प्रवासी अक्सर यूरोप तक पहुँचने के लिए खतरनाक समुद्री पार करने का प्रयास करते हैं।
- यह क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा और सहयोग पर चर्चा के लिए भी ग्रीस और तुर्की के बीच एक विशेष क्षेत्र रहा है।

तुर्की-ग्रीस एजियन विवाद:

- विवाद क्षेत्रीय समुद्री चौड़ाई, द्वीपों की उपस्थिति और महाद्वीपीय शेल्फ के परिसीमन के आसपास केंद्रित है।
- ग्रीस और तुर्की दोनों एजियन में 6-समुद्री-मील क्षेत्रीय समुद्र का दावा करते हैं।
- समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन 1982 प्रादेशिक समुद्र को तट से 12 एनएम तक विस्तारित करने की अनुमति देता है।
- ग्रीस यूएनसीएलओएस का अनुसरण करता है और 12-एनएम प्रादेशिक समुद्र का दावा करता है।
- तुर्की ने यूएनसीएलओएस को नहीं अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप कई अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आए हैं।
- **लॉज़ेन की संधि (1923):** विवाद को प्रभावित करने संबंधित ऐतिहासिक संधि।

F-16 फाइटर जेट

अनुमोदन: अमेरिका ने डेनमार्क और नीदरलैंड से यूक्रेन भेजे जाने वाले एफ-16 लड़ाकू विमानों को मंजूरी दे दी है।
उद्देश्य: रूसी सेनाओं के विरुद्ध यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करना।
F-16 फाइटर जेट के बारे में:
निर्माण : संयुक्त राज्य वायु सेना (यूएसएएफ) के लिए जनरल डायनेमिक्स द्वारा विकसित।
भूमिका: बहुमुखी, हवाई श्रेष्ठता, जमीनी हमले और टोही (खोज प्रक्रिया) के लिए उपयोग किया जाता है।
विशेषताएँ: उन्नत एवियोनिक्स, कॉम्पैक्ट डिजाइन।
वैश्विक उपयोग: वैश्विक स्तर पर वायु सेनाओं द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
हथियार, शस्त्र: हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों से लैस।
F-16 फाइटिंग फाल्कन के बारे में:
मूल निर्माण : संयुक्त राज्य वायु सेना (यूएसएएफ) के लिए जनरल डायनेमिक्स द्वारा विकसित।
विमान के प्रकार: सिंगल इंजन मल्टीरोल लड़ाकू विमान।
वैश्विक उपयोग: विभिन्न सैन्य भूमिकाओं के लिए दुनिया भर में नियुक्त किया गया।

वेरिएंट BA.2.86 (BA.X)

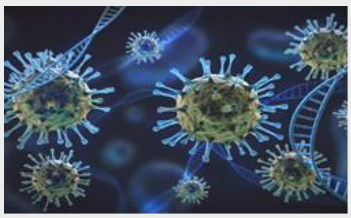

पहचान: नोवल कोरोना वायरस का एक नया संस्करण जो COVID-19 का कारण बनता है।
निगरानी स्रोत: WHO और US CDC द्वारा इसकी निगरानी की गई।
उपस्थिति : अधिकांशतः अमेरिका, डेनमार्क और इज़राइल में पाया गया है।
वर्गीकरण: मॉनिटरिंग के तहत वेरिएंट (वीयूएम) के रूप में वर्गीकृत।
निगरानी का महत्व:

- BA.2.86 में महत्वपूर्ण उत्परिवर्तन शामिल हैं।
- इसकी विशेषताओं और संभावित प्रभाव को समझने के लिए कड़ी जांच प्रक्रिया आवश्यक है।
- साथ ही निगरानी, अनुक्रमण और रिपोर्टिंग भी महत्वपूर्ण चरण हैं।

हालिया कोविड-19 रुझान (17 जुलाई - 13 अगस्त, 2023):

- WHO ने 28 दिनों में 1.4 मिलियन नए COVID-19 मामले और 2,300 मौतें दर्ज कीं।
- पिछले 28 दिनों की तुलना में मामलों में 63% की वृद्धि, मौतों में 56% की कमी।

वैश्विक कोविड-19 सांख्यिकी (13 अगस्त, 2023 तक):

- वैश्विक स्तर पर 769 मिलियन से अधिक मामले।
- लगभग 6.9 मिलियन मौतें।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समाचारों में स्थान **ला ब्रे टार पिट्स (La Brea Tar Pits)**	हाल ही में, प्लेइस्टोसिन काल के अंत में मैमथ, मास्टोडन, बाइसन और कृपाण-दांतेदार बिल्लियाँ सहित तीन दर्जन से अधिक स्तनपायी प्रजातियों के विलुप्त होने के कारणों को जानने के प्रति रुचि बढ़ी है। **अवस्थिति:** लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका का क्षेत्र। **प्रकृतिक विशेषता:** प्राकृतिक कारणों से चिपचिपे तारकोल का जमाव। **जीवाश्म संग्रह:** ➢ विश्व का सबसे बड़ा हिमयुगीन जीवाश्म संग्रह। ➢ यह प्लेइस्टोसिन युग के विविध प्रजातियों के जीवाश्मों का स्थल है। **वैज्ञानिक भूमिका:** ➢ प्रागैतिहासिक पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए आवश्यक। ➢ प्लेइस्टोसिन में जानवरों और पौधों के जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक। **अनुसंधान उपयोग:** ➢ जीवाश्म विज्ञानी, पुरातत्ववेत्ता प्राचीन जीवन का अध्ययन करते हैं। ➢ प्रजातियों, व्यवहारों और पारिस्थितिक बदलावों को प्रकट करता है। **संग्रहालय और प्रदर्शनियाँ:** ➢ संग्रहालय जीवाश्मों, इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों को प्रदर्शित करता है। ➢ यह कई प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम भी संचालित करता है।
समाचार में व्यक्ति **डेनिस डाल्टन**	**डेनिस डाल्टन** ➢ डेनिस डाल्टन एक विद्वान और शिक्षाविद् हैं। ➢ राजनीति विज्ञान और दर्शनशास्त्र में उन्हें उनकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। **योगदान:** ➢ राजनीतिक सिद्धांत, विशेषकर भारतीय राजनीतिक विचार पर अपने काम के लिए प्रसिद्ध। ➢ प्रमुख भारतीय विचारकों के गहन विश्लेषण और व्याख्या के लिए जाने जाते हैं। **उल्लेखनीय कार्य - "स्वतंत्रता के भारतीय विचार":** ➢ "स्वतंत्रता के भारतीय विचार" के लेख का मूल संस्करण 1982 में प्रकाशित हुआ। ➢ संशोधित संस्करण (2023) इस पर आधारित है कि भारतीय विचारकों ने स्वतंत्रता की संकल्पना कैसे की। ➢ इसे विवेकानंद, अरबिंदो, गांधी, टैगोर, अंबेडकर, एमएन रॉय और जेपी नारायण जैसे विचारकों पर केंद्रित किया गया है। 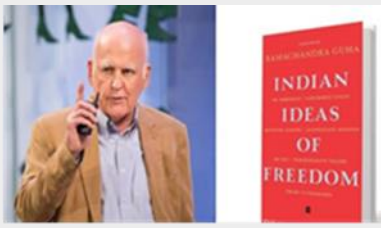

POINTS TO PONDER

- **लिथुआनिया का उच्चतम बिंदु कौन सा है**? - माउंट जोसेफ
- **कौन सी नदी यूक्रेन के दक्षिण में वास्तविक सीमा रेखा को चिह्नित करती है**?- दनिप्रो (**Dnipro**) नदी
- **चंद्रमा की सतह पर लैंडर के उतरने की अपेक्षित तारीख क्या है**?- अगस्त 23, 2023
- **लैंडर और रोवर मिशन का जीवन कितना है**?- एक चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन)
- **जुलाई 2023 में भारत और जापान किस सहयोग पर सहमत हुए**? - अर्धचालकों पर सहयोग

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com